services and activities out of the purview of Industrial Disputes Act;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether trade unions have been consulted in this regard; and

(d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF LABOUR (SHRI G.VENKAT SWAMY): (a) No, Sir.

(b) to (d) The questions do not arise.

भारतीय खाद्य निगम द्वारा गेहूं और चावल के विक्रय मूल्य का बढ़ाया जाना

88. **श्रीमती सुषमा स्वराज:**
श्री राम जेठमलानी:

क्या **खाद्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि हाल ही के वर्षों के दौरान भारतीय खाद्य निगम ने गेहूं और चावल के विक्रय मूल्यों में वृद्धि की थी;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1990-91 के दौरान भारतीय खाद्य निगम देश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली हेतु गेहूं और चावल किस-किस मूल्य पर बेच रहा था;

(ग) वर्ष 1994-95 के अंत में भारतीय खाद्य निगम के गेहूं और चावल के मूल्य क्या-क्या थे; और

(घ) वर्ष 1991-92 और 1994-95 के दौरान भारतीय खाद्य निगम ने उत्पादकों से गेहूं और चावल किन-किन मूल्यों पर खरीदा था?

खाद्य मंत्री (श्री अजित सिंह): (क) सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अधीन वितरित करने के लिये भारतीय खाद्य निगम केन्द्रीय निर्गम मूल्यों (भारतीय खाद्य निगम के गोदामों से) पर गेहूं और चावल जारी करता है। उक्त केन्द्रीय निर्गम मूल्य 1.2.1994 के बाद बढ़ाए नहीं गये हैं।

(ख) और (ग) 1990 और बाद के वर्षों में गेहूं और चावल के केन्द्रीय निर्गम मूल्य निम्नानुसार हैं:—

(रुपए प्रति क्विंटल)

निम्नलिखित तारीख से लागू	गेहूं	चावल		
		साधारण	बढ़िया	उत्तम
1.5.1990	234	—	—	—
25.6.1990	—	289	349	370
28.12.1991	280	377	437	458
11.1.1993	330	437	497	518
1.2.1994	402	537	617	648

(घ) रबी विपणन मौसम, 1991-92 और 1994-95 के दौरान क्रमशः 225 रुपए प्रति क्विंटल और 350 रुपए प्रति क्विंटल के न्यूनतम समर्थन मूल्यों पर किसानों से गेहूं की खरीदारी की गई थी।

1991-92 और 1994-95 खरीफ विपणन मौसमों के लिये लेवी चावल के मूल्यों को बताने वाला विवरण संलग्न है।

विवरण

खरीफ विपणन मौसम 1991-92 और 1994 के लिये लेवी चावल के वसूली मूल्य

राज्य	साधारण		बढ़िया		उत्तम	
	1991-92	1994-95	1991-92	1994-95	1991-92	1994-95
1. आन्ध्र प्रदेश	387.55	565.45	403.30	596.95	419.05	628.45
2. असम	384.45	545.25	406.25	584.30	422.10	615.10
3. बिहार	368.20	—	392.80	—	408.10	—
4. गुजरात	358.55	—	373.05	—	387.55	—

राज्य	साधारण		बढ़िया		उत्तम	
	1991-92	1994-95	1991-92	1994-95	1991-92	1994-95
5. हरियाणा	396.65	579.80	425.20	630.30	445.10	668.50
6. दिल्ली	396.65	553.85	425.20	602.05	445.10	638.50
7. कर्नाटक	369.10	538.35	384.05	568.25	399.05	598.20
8. मध्य प्रदेश	383.10	546.05	398.65	576.40	414.20	606.75
9. उड़ीसा	394.90	576.15	411.00	608.30	427.05	640.40
10. राजस्थान	389.15	566.15	414.50	611.10	437.15	653.10
11. पंजाब	396.40	582.55	424.90	633.40	444.80	671.85
12. उत्तर प्रदेश	377.80	556.35*	393.00	587.20*	417.45	631.90*
13. पश्चिम बंगाल	370.25	531.95	389.15	575.55	404.30	615.85
14. महाराष्ट्र	377.90	546.30	393.15	576.60	408.45	606.85
15. पांडिचेरी	356.70	—	371.50	—	386.30	—
16. चंडीगढ़	393.00	566.35	421.25	615.70	441.00	653.05

*= दिनांक 15.12.1994 तक उत्तर प्रदेश में चावल के लेवी मूल्य ऊपर दिये गये हैं और 16.12.1994 से लेवी मूल्य निम्नानुसार हैं:—

साधरण — 558.85 रुपये
बढ़िया — 589.85 रुपये
उत्तम — 634.75 रुपये

सुपर बाजार में महिलाओं हेतु रोजगार के अवसर

89. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी:**
श्री कनकसिंह मोहनसिंह मेंगरोला:

क्या नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने सुपर बाजार में महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु कोई विशेष योजना बनायी है; और

(ख) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय में राज्य मंत्री (उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण प्रणाली विभाग) (श्री विनोद शर्मा): (क) जी नहीं।

(ख) सुपर बाजार द्वारा इसकी शुरुआत से ही रोजगार मुहैया कराने में लिंग के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाता है। तथापि, सुपर बाजार ने 1988 से कर्मचारियों की भर्ती पर प्रतिबंध लगा रखा है।

Children working in fire-works Factories

90. SHRI SANATAN BISI: Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) whether Government has conducted any enquiry regarding the total number of Children working in the fire-works factories all over the country;

(b) what steps are being taken to create awareness among the people on the perils faced by the children working in the fire-works factories; and

(c) what are the details thereof?

THE MINISTER OF LABOUR (SHRI G. VENKAT SWAMY): (a) It is estimated that 20 lakh children are engaged in hazardous occupations in the country. Seperate industry-wise figures of children engaged in hazardous occupations in the country are not maintained.